पावन जीवन चरित्र

श्रीश्रीमद् भक्ति दयित माधव गोस्वामी
महाराज जी का जीवन चरित्र

SGD

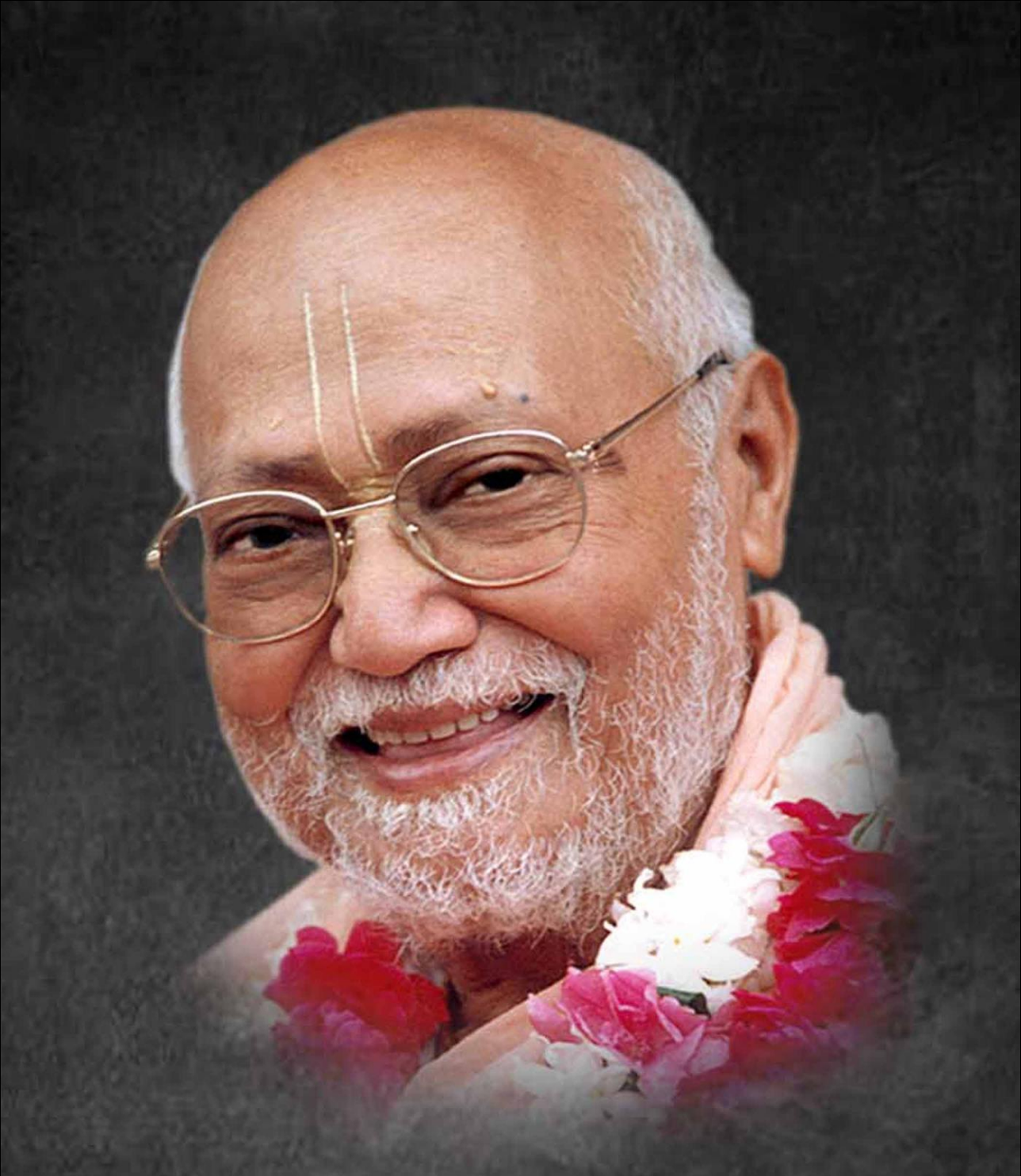

निखिल भारत श्रीचैतन्य गौड़ीय मठ
प्रतिष्ठान के प्रतिष्ठाता,
नित्यलीला प्रविष्ट ॐ 108
श्री श्रीमद् भक्ति दयित माधव गोस्वामी
महाराज विष्णुपाद जी के
प्रियतम शिष्य, त्रिदण्डिस्वामी
श्रीमद् भक्तिबल्लभ तीर्थ गोस्वामी महाराज
जी द्वारा सम्पादित

SGD

तृतीय खण्ड

भाग – 11

उत्तर भारत के विभिन्न स्थानों पर श्रील गुरुदेव

श्रीलगुरुदेव

श्रील गुरुदेव जी ने अपने पार्षदों सहित 9 अप्रैल 1975 बुधवार को कोलकाता से रेल गाड़ी से यात्रा करते हुये दिल्ली, जालन्धर, लुधियाना, बठिण्डा, सहारनपुर, देहरादून तथा चण्डीगढ़ में शुभपदार्पण कर विपुलभाव से श्रीमन्महाप्रभु जी की वाणी का प्रचार किया था। इस प्रचार-भ्रमण में सहायक रूप से थे- पूज्यपाद श्रीमद् ठाकुरदास ब्रह्मचारी, श्रीमद् भक्तिबल्लभ तीर्थ महाराज जी, श्रीमद् भक्ति प्रसाद पुरी महाराज

जी, श्री मंगल निलय ब्रह्मचारी, श्री मदनगोपाल ब्रह्मचारी, श्री देव प्रसाद ब्रह्मचारी और श्री परेशानुभव ब्रह्मचारी । सभी स्थानों पर नगर-संकीर्त्तन शोभायात्राएँ निकाली गईं।

चण्डीगढ़ मठ की 16 अप्रैल से 20 अप्रैल तक शाम की धर्मसभाओं में जिन्होंने योगदान दिया, उनमें उल्लेखनीय नाम हैं- पंजाब विधानसभा के स्पीकर, श्री केवलकृष्ण जी, पंजाब विश्वविद्यालय के वाईस - चान्सलर, डा० आर० सी० पाल, चण्डीगढ़ केन्द्रीय प्रदेश के डिप्टी कमिश्नर,

श्री एम० जी० देवासहायम, पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के प्रधान न्यायाधीश, श्री आर. एस. नरुला न्यायाधीश श्री एम० आर० शर्मा, पद्मश्री, इन्जीनियर, श्री पी. एल. वर्मा, डा. रघुनाथ, डा. ओ. पी. भारद्वाज, डा. बी. सी. पाण्डे, रीडर, श्री बी. बी. शर्मा।

जालन्धर शहर में श्रीचैतन्य महाप्रभु जी के अविर्भाव के उपलक्ष्य में विभिन्न स्थानों की प्रसिद्ध कीर्तन मण्डलियों ने भाग लिया था।

श्रीलगुरुदेव